

11/8/25

पतावली भेरा हुई। अर्घि. वादी/प्रार्थी तप उर्ध्व अनुपस्थित।
रुक-रुक कर तीन-चार आवाजें दिलवाई गई। शत्रुत-क्षेत्र
5 मिनट हो चुका है। अतः उर्ध्व मम अर्घि. उर्ध्व के अनुपस्थित
रहने पर उर्ध्व का उर्ध्वना-पत्र अर्धम-दालरी / अर्धम-पैसी
में शक्ति प्रिया पाता है। पतावली भेरास अत्राट-तीकट
नखर से कर ली।
निर्गम-सुवादा गमा।

